

**रोहिणी स्त्री.** (तत्.) 1. सौरमंडल के अश्विनी आदि 27 नक्षत्रों में से चौथा नक्षत्र 2. वसुदेव की एक पत्नी जिनके गर्भ से बलराम उत्पन्न हुए थे 3. लाल गाय 4. हाल की राजस्वला स्त्री 5. मंजिष्ठा, मजीठ 6. ब्राह्मी बूटी।

**रोहित वि.** (तत्.) लाल रंग का 1. लाल रंग 2. रक्त, खून 3. केसर, कुंकुम 4. इंद्रधनुष 5. एक मृग 6. रोहेड़ा वृक्ष 7. रोहू मछली 7. गंधर्वों की एक जाति।

**रोहिताश्व पुं.** (तत्.) 1. अग्नि 2. अश्व की गति से दौड़ने वाला एक विशिष्ट मृग 3. काशी के महाराजा हरिश्चंद्र का पुत्र।

**रोही वि.** (तत्.) 1. चढ़ने वाला यथा. अश्वारोही, पर्वतारोही पुं. 1. वटवृक्ष 2. अश्वत्थवृक्ष 3. उदुंबरवृक्ष 4. रोहित वृक्ष 5. एक मृग 6. रोहू मछली, पुं. (देश.) एक प्रकार का हथियार।

**रोहू स्त्री.** (तत्.) 1. लाल पर वाली एक बड़ी मछली, लालपरी (जो प्रायः पाँच से दस सेर तक वजन की होती है) 2. दार्जिलिंग में होने वाला एक पेड़।

**रौंटी/रोंगटी स्त्री.** (तत्.) खेल में बेईमानी करना, खेल में बुरा मानना, खेल में हारने पर चिढ़ जाना उदा. "रौंगटि करत तुम खेलत ही में परी कहा यह बानि" -सूरसागर।

**रौंद स्त्री.** (तद्.) कुचलने का भाव, रौंदने का भाव, रौंदने की क्रिया, दलन, मर्दन।

**रौंदना स.क्रि.** (तद्.) 1. पैरों से कुचलना, मसलना, मर्दित करना प्रयो. माटी कहे कुम्हार से तू का रौंदे मोय। एक दिन ऐसा आएगा मैं रौंदूंगी तोय।।

**रौ स्त्री.** (फा.) चाल, गति, वेग, बाढ़, पानी का बहाव, धुन, ख्याल, जोश।

**रौताइन स्त्री.** (तद्.) रावत की स्त्री या पत्नी, विवाहिता के लिए आदरपूर्ण संबोधन।

**रौताई स्त्री.** (तद्.) 1. राव या रावत का प्रतिष्ठित पद या भाव 2. मुखियापन, प्रमुखता 3. क्षत्रियत्व या क्षत्रिय की वीरता, ओजस्विता।

**रौद्र वि.** (तत्.) 1. रुद्र से सम्बन्धित, उग्र, तेजस्वी, भयोत्पादक, क्रोधपूर्ण 2. यमराज के लिए प्रयुक्त विशेषण 3. कार्तिकेय या शिवपुत्र स्कंद 4. शिवोपासक 5. फलित ज्योतिष में बृहस्पति के संवत्सर-चक्र का 60 में से एक संवत्सर काव्य. नौ रसों में एक रस जिसका स्थायीभाव क्रोध है।

**रौद्रगीत पुं.** (तत्.) 1. भावुकतापूर्ण गीत या लेख, आवेशपूर्ण गीत, हर्षोन्मादक, परम उल्लासकारी गीत 2. एक प्राचीन यूनानी भजन जो मद्य के देवता, बैकस के सम्मान में सामूहिक रूप से गाया जाता था, इस गीत के गाने से जोश और मस्ती आती थी।

**रौद्ररस पुं.** (तत्.) काव्य. काव्य का आस्वाद (आनंद) प्राप्त करने के लिए निर्धारित नौ रसों में से एक रस जिसका स्थायी भाव क्रोध है।

**रौद्रार्क पुं.** (तत्.) भीषण, भयंकर गर्मी, सूर्यताप, ऊष्णता।

**रौनक स्त्री.** (अर.) खुशी का वातावरण, चहल-पहल, सुंदरता या शोभा, मस्ती का माहौल रमणीयता।

**रौप्य पुं.** (तत्.) चाँदी का बना हुआ, चाँदी का आभूषण।

**रौरव पुं.** (तत्.) 1. 'रूरु' नाम का एक मृग-उससे संबंधित वस्तु या स्थल 'रौरव' नाम से जाना जाता है 2. रूरु नामक हिरन के चर्म से बनी वस्तु 3. निष्ठाहीन, भयपूर्ण 4. 'रौरव' नाम का एक नरक जिसे भयंकर माना गया है।

**रौला पुं.** (देश.) 1. शोर-शराबा, चहल-पहल, कोलाहल 2. हुड़दंग, कोहराम, आशंति।

**रौलि स्त्री.** (देश.) तमाचा, थप्पड़, धौल।

**रौशन वि.** (फा.) 1. चमक से युक्त, चमकीला, दीप्यमान 2. मशहूर, जगजाहिर, प्रकाशित, विश्रुत।

**रौस स्त्री.** (फा.) 1. चलना, गमन, प्रगति 2. विधि-विधान, सलीका 3. खिड़की के ऊपर का छज्जा 4. पगडंडी, क्यारियों के बीच का रास्ता 5. रगड़ लगने का चिह्न।

**रौहाल पुं.** (देश.) 1. तुरग, घोड़े की एक प्रजाति 2. घोड़े की एक प्रकार की तेज चाल।